



sudha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121318901

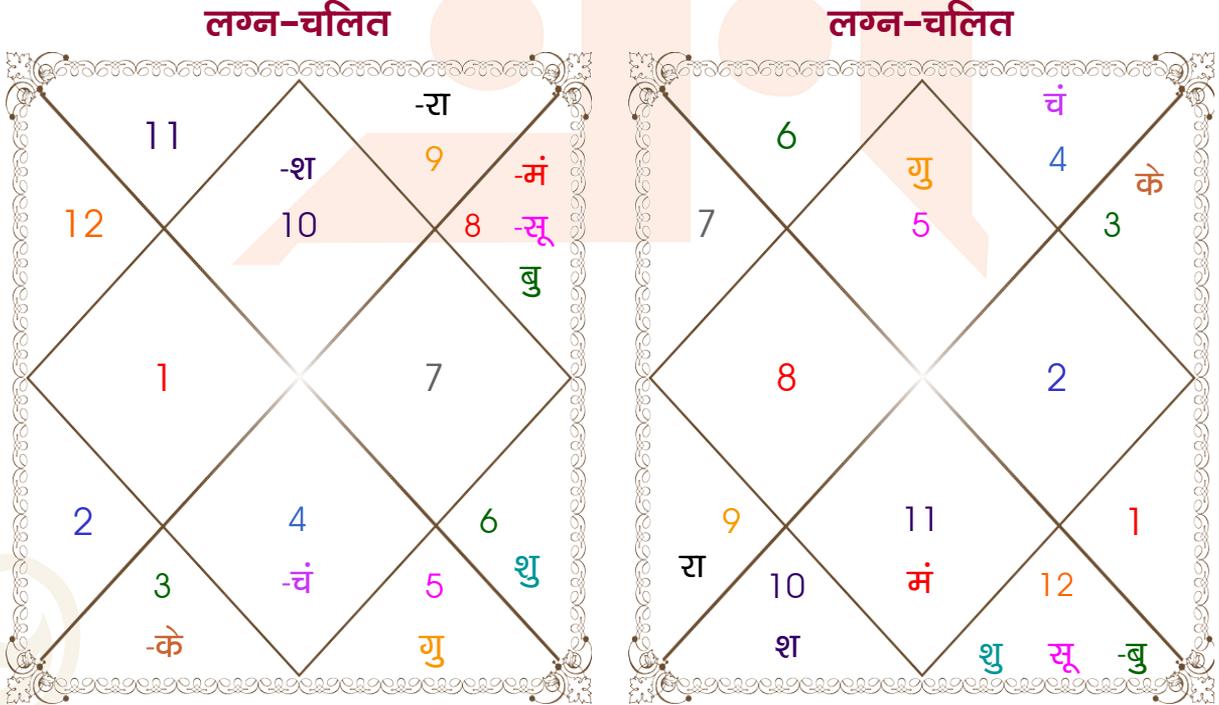
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
26/11/1991 :	जन्म तिथि	: 12/04/1992
मंगलवार :	दिन	: रविवार
घंटे 12:10:00 :	जन्म समय	: 15:50:00 घंटे
घटी 12:51:04 :	जन्म समय(घटी)	: 24:34:21 घटी
India :	देश	: India
Una :	स्थान	: Una
31:28:00 उत्तर :	अक्षांश	: 31:28:00 उत्तर
76:19:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:44 :	स्थानिक संस्कार	: -00:24:44 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:01:34 :	सूर्योदय	: 06:00:15
17:22:06 :	सूर्यास्त	: 18:51:17
23:44:54 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:45:14
मकर :	लग्न	: सिंह
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: सूर्य
कर्क :	राशि	: कर्क
चन्द्र :	राशि-स्वामी	: चन्द्र
पुष्य :	नक्षत्र	: आश्लेषा
शनि :	नक्षत्र स्वामी	: बुध
2 :	चरण	: 3
शुक्ल :	योग	: शूल
तैतिल :	करण	: गर
हे-हेमन्त :	जन्म नामाक्षर	: डे-डेम
धनु :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मेष
विप्र :	वर्ण	: विप्र
जलचर :	वश्य	: जलचर
मेष :	योनि	: मार्जार
देव :	गण	: राक्षस
मध्य :	नाड़ी	: अन्त्य
मेष :	वर्ग	: श्वान

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 11वर्ष 4मा 13दि	25:20:20	मक	लग्न	सिंह	20:55:48	बुध 5वर्ष 7मा 17दि
केतु	09:45:01	वृश्चि	सूर्य	मीन	29:00:31	सूर्य
09/04/2020	08:41:17	कर्क	चंद्र	कर्क	25:35:01	29/11/2024
10/04/2027	04:15:13	वृश्चि	मंगल	कुंभ	18:08:21	29/11/2030
केतु 05/09/2020	29:59:21	वृश्चि	बुध	मीन	05:25:00	सूर्य 18/03/2025
शुक्र 05/11/2021	19:01:54	सिंह	गुरु व	सिंह	11:23:46	चन्द्र 17/09/2025
सूर्य 13/03/2022	24:47:09	कन्या	शुक्र	मीन	12:34:10	मंगल 23/01/2026
चन्द्र 12/10/2022	08:37:34	मक	शनि	मक	23:03:03	राहु 17/12/2026
मंगल 10/03/2023	16:35:34	धनु	राहु व	धनु	09:45:46	गुरु 06/10/2027
राहु 28/03/2024	16:35:34	मिथु	केतु व	मिथु	09:45:46	शनि 17/09/2028
गुरु 04/03/2025	17:55:45	धनु	हर्ष	धनु	24:13:27	बुध 24/07/2029
शनि 12/04/2026	21:13:26	धनु	नेप	धनु	25:11:11	केतु 29/11/2029
बुध 10/04/2027	27:04:10	तुला	प्लूटो व	तुला	28:35:54	शुक्र 29/11/2030

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

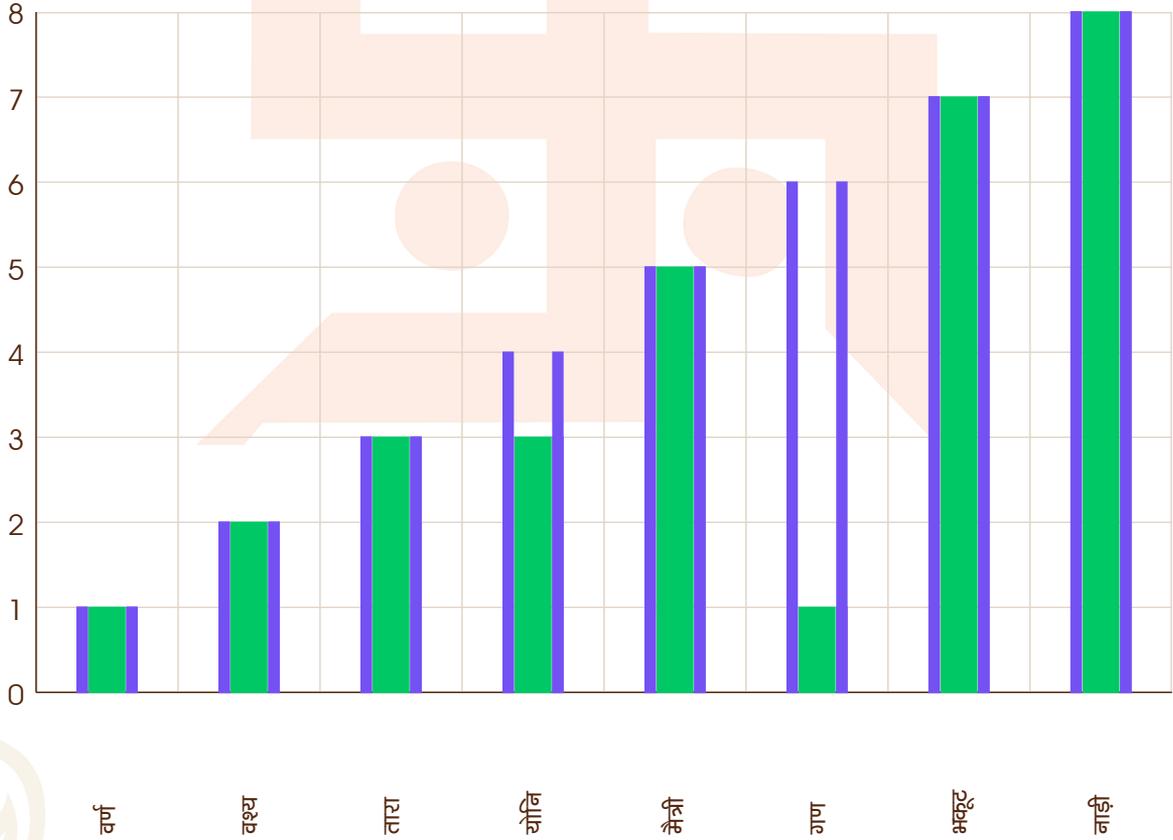
23:44:54 चित्रपक्षीय अयनांश 23:45:14



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मार्जार	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>30.00</b>		

कुल : 30 / 36



## अष्टकूट मिलान

। का वर्ग मेष है तथा sudha का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।  
अष्टकूट मिलान के अनुसार। और sudha का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

। मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।  
sudha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में।प्तम् भाव में स्थित है।

**सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता ।  
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत् ।।**

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि sudha कि कुण्डली में।प्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में। एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष।माप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल। कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

। तथा sudha में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

। का वर्ण ब्राह्मण तथा sudha का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदर, पसन्द एवं नापसन्द भी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल भावित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

### वश्य

। का वश्य जलचर है एवं sudha का वश्य भी जलचर है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसन्द एवं नापसन्द एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं गौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनन्द लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं मृद्धि में महती योगदान देंगे।

### तारा

। की तारा अतिमित्र तथा sudha की तारा सम्यक् है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी मृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली भावित होंगे। हमेशा sudha के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

### योनि

। की योनि मेष है तथा sudha की योनि मारजार है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का बंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में गौहार्दपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में भी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के अवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख मृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं गौहार्द की भावना के कारण दोनों एक-दूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही भी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों के उत्पन्न बताने योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में

सफलता इनके कदम चूमेगी। इ प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में। एवं sudha दोनों के राशि स्वामी मान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचारों अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि यदि। एवं sudha दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति मानित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, फल एवं यशस्वी होंगे।

### गण

इका गण देव तथा sudha का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में sudha निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक मानित हो सकता है। ऐसी पत्नी अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार निर्वहन करेंगी। sudha की अक्सर दूसरों को लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

### भकूट

इ एवं sudha दोनों की राशि एक मान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान। एवं sudha तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - गौभाग्य, सम्पत्ति, मान में मान-सम्मान तथा योग्य मान आदि प्राप्त होगी।

### नाड़ी

इकी नाड़ी मध्य है तथा sudha की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी मान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का मन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में तुलन आवश्यक है। जिसके कारण। एवं sudha के बीच सहचर्य, सुख एवं मृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी मान प्रदान होगी।

## मेलापक फलित

### स्वभाव

। और sudha दोनों की राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। अतः इनमें स्वभावगत मानताएं रहेंगी तथा जीवन भी आनंद पूर्वक व्यतीत होगा। उनमें परस्पर स्नेह हानुभूति एवं आकर्षण का भाव भी विद्यमान रहेगा। अतः मिलान शुभ रहेगा।

। और sudha दोनों की राशि का स्वामी चन्द्रमा है। यह स्थिति सुखद दाम्पत्य जीवन के लिए अत्यंत ही शुभ मानी जाती है। इसके प्रभावों। और sudha दोनों भावुक बुद्धिमान तथा आपा में आमंजस्य स्थापित करने वाले होंगे तथा प्रेम पूर्वक अपना वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। इनके जीवन मूल्य एवं सिद्धांतों में मानता रहेगी अतः मय सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

। और sudha की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभावों भविष्य की योजनाओं में इनको फलता मिलेगी। यद्यपि sudha की महत्वाकांक्षाएं प्रबल नहीं होंगी तथापि अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूर्ण करने में फल रहेंगी। और sudha निस्वार्थ भावों एक दूसरे के प्रति हयोग एवं मानता का भाव रखेंगे तथा एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे जीवन में प्रसन्नता बनी रहेगी।

। और sudha दोनों का वश्य जलचर है। अतः इसके प्रभावों इनकी शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर पूर्ण मता रहेगी तथा अभिरुचियों में भी अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण आकर्षण तथा आत्मीयता का भाव रहेगा। साथ ही कामभावनाओं में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं न्नुष्ट करने में मर्थ रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता बनी रहेगी।

। और sudha दोनों का वर्ण ब्राह्मण है। अतः शैक्षणिक क्षेत्र शास्त्रीय विषय या धर्म विधी कार्य कलाओं में दोनों की रुचि रहेगी तथा कार्य क्षमता भी बराबर रहेगी। साथ ही जीवन के सिद्धांत एवं मूल्यों में भी एक रूपता रहेगी जिससे। और sudha का जीवन सुख शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

### धन

। का जन्म अतिमित्र तथा sudha का म्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभावों sudha एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा sudha के शुभ प्रभावों उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर म रहेगा। अतः स्वपरिश्रमों ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में मर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार। और sudha आरामदायक जीवन व्यतीत करने में मर्थ होंगे।



लेकिन सुरु पूर्ण स्नेह एवं हानुभूति अर्जित करने में sudha को कठिनाई का मानना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से मय मय पर मस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु नन्द एवं देवों से बंधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं हानुभूति प्राप्त होगी।

इ प्रकार sudha को सुराल में मान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का माना करके वह मंजस्य स्थापित करने में फल हो किेंगी।

### ससुराल-श्री

। के अपनी मा से मधुर बंध रहेंगे तथा आपसी मंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। मा को अपनी माता के मान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। मा ही मय मय पर पत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे बंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के मा भी। के बंधों में मधुरता रहेगी। मा ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी बंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। मा ही माली एवं मालों से भी बंधों में मित्रता हानुभूति तथा हयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक बंध रहेंगे।

इ प्रकार सुराल के लोगों का दृष्टिकोण। के प्रति म्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा न्नुष्ट रहेंगे।